मंगलवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
18 नवम्बर 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 284
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक करोड़ के इनामी माओवादी कमांडर सहित 6 मुठभेड़ में ढेर

हमारे संवाददाता

आंध्र प्रदेश। बार्डर क्षेत्र के जंगलों में आज सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गयी। मुठभेड़ के दौरान शीर्ष माओवादी कमांडर मादवी हिडमा सहित 6 लोगों की मौत हो गयी।

आंध्र प्रदेश पुलिस ने अल्लूरी सीताराम राजू जिले के मारेदुमिल्ली में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। आंध्र प्रदेश के डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता ने बताया कि यह मुठभेड़ आज सुबह 6 से 7 बजे के बीच हुई। बताया कि इस मुठभेड़ में एक टॉप माओवादी लीडर (हिडमा) समेत कुल छह माओवादी मारे गए हैं। इस समय पूरे इलाके में व्यापक तलाशी अभियान जारी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में हिडमा के साथ उसकी दूसरी पत्नी राजे उर्फ राजक्का भी मारी गई है। इस खूंखार माओवादी कमांडर पर 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान घने जंगल में हुआ है, जहां एक माओवादी ग्रुप घूम रहा था। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि मुठभेड़ के दौरान छह माओवादी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के जेगुरुगोंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुवर्थी गांव के मूल निवासी 51 वर्षीय हिडमा मुरिया अनुसूचित जनजाति से था। उसने कक्षा 10 तक पढ़ाई की। जिसके बाद उसने सीपीआई (माओवादी) के केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) के रूप में काम किया। बताया जा रहा है कि हिडमा की शादी राजे उर्फ राजक्का से हुई थी, जो एक डिवीजनल कमेटी सदस्य थे और बटालियन में शिक्षक के रूप में भी काम करते थे।

डीजीपी गुप्ता ने बताया कि माओवादी कमांडर हिडमा और उसकी छह लोगों की टीम छत्तीसगढ़ से आंध्र प्रदेश में घुसने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि यह ग्रुप आंध्र की सीमाओं की जांच कर रहा था। वे पूर्वी गोदावरी जिले के मारेदुमिल्ली इलाके से आंध्र प्रदेश में घुस रहे थे और आगे ओडिशा की ओर बढ़ने की भी कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान, सुरक्षाबलों के एक ऑपरेशन के दौरान उनकी मुठभेड़ हो गई। डीजीपी के अनुसार, इस मुठभेड़ में हिडमा, उसकी साथी (संभवत: राज) और तीन अन्य समेत कुल छह माओवादी मौके पर ही मारे गए। घटनास्थल से एके-47 राइफलें भी जब्त की गई हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों से की बात

दिल्ली/आंध्र प्रदेश। सुरक्षा बलों पर सशस्त्र हमलों के विभिन्न मामलों में फरार टॉप नक्सली कैडर मांडवी हिडमा के मारे जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आलाधिकारियों से बात की। हिडमा को सुरक्षा बलों द्वारा पकड़ने के लिए निर्धारित 30 नवंबर, 2025 की समय सीमा से पहले ही मार गिराया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

लोकतंत्र है कहां?

बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि विपक्षी दल कांग्रेस सहित अन्य तमाम राज्यों के क्षेत्रीय क्षत्रप अब कुछ भी कर लें हर एक चुनाव में जीत भाजपा की गारंटी बन चुकी है। उसे अब चुनाव के मैदान में कोई भी हरा नहीं सकता है इन चुनावों के नतीजों पर और देश की राजनीति पर भले ही कोई कुछ भी कहता रहे लेकिन किसी भी बात का प्रभाव भाजपा और उसके नेताओं पर पड़ने वाला नहीं है, उन्होंने वही करना है जो वह करना चाहते हैं। निर्वाचन आयोग से लेकर न्यायपालिका तक देश में कोई संवैधानिक इस व्यवस्था को नहीं बदल सकती है। अगर सीधे-सीधे बात कही जाए तो बीते एक दशक में भाजपा ने सभी संवैधानिक संस्थाओं से लेकर सामान्य सामाजिक व्यवस्थाओं को अपने अनुकूल बना लिया गया है कि सवाल उठाने और प्रतिरोध करने का सहास भी कोई नहीं कर सकता है। जिस मोदी मीडिया की चर्चा इन दिनों आम हो चली है उसे लेकर अब कोई भ्रांति किसी के मन में नहीं है। आम आदमी के मन में धर्म, संप्रदायों और क्षेत्रवाद को लेकर इतना भय बैठा दिया गया है कि वह आएंगे तो आपकी भैंस ले जाएंगे, दूरबीन से ढूंढ कर आपका मंगलसूत्र भी आपके पास नहीं छोड़ेंगे। चुनाव के दौरान बटोगे तो कटोगे जैसे नारे लोकप्रियता की सभी सीमाओं के पार निकल चुके हैं। भले ही देश की जनता यह ढूंढते रह जाए कि महंगाई कब कम होगी? कब उसके अच्छे दिन आएंगे? कब युवाओं को दो करोड़ नौकरियां मिलेगी और कब किसानों की आय दोगुना होगी ? कब काला धन वापस आएगा और कब भ्रष्टाचार मिटेगा? सच यह है कि अब आम जनता के सभी मुद्दे विमर्श में जा चुके हैं और कोई भी नेता इन मुद्दों पर बात करने को तैयार नहीं है समूचा समाज गरीबी के घोर अंधेरे में जी रहा है। सरकार ने अगर कुछ हासिल किया है तो वह उसकी अपनी काबिलियत है। जिसने भाजपा को विश्व की नंबर वन पार्टी बना दिया है। जिसके खजाने में धन की कोई कमी नहीं है। बीते एक दशक में देश के 40 फीसदी ग्रहस्त अपना सोना गिरवी रखकर गंवा चुके हैं। सत्ता में बैठे लोग दावा करते हैं कि उन्होंने 25 करोड लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाने का काम किया है। अभी बिहार चुनाव के दौरान एक करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में 10-10 हजार कैश ट्रांसफर किया गया। अब खबर आ रही है कि सरकार को विश्व बैंक से जो 14 हजार करोड़ रुपया मिला था उसे सरकार ने जनकल्याण योजनाओं में लगाने की बजाय चुनाव जीतने में उड़ा दिया। विपक्ष के नेता संविधान की किताब हाथों में लेकर सालों से यह समझा रहे हैं कि हमारी लड़ाई संविधान और लोकतंत्र बचाने की है। तुम्हारा वोट का अधिकार भी अगर छीन लिया गया तो आपके पास फिर कुछ नहीं बचेगा। क्या देश की जनता को वह यह समझा सके? इसका जवाब बिहार विधानसभाओं के नतीजे है। जिनकी समझ में वोट के बदले 10 हजार रूपया तो आया बाकी कुछ भी नहीं आ सका। दरअसल इसमें भूखी नंगी जनता की भी कोई गलती नहीं है दो माह हाड़ तोड़ मेहनत के बाद भी अगर 10 हजार रूपये न मिल पाए और कोई उन्हें बिना कुछ किये ही 10 हजार रूपये दे दे तो उसे वोट देना तो बनता है। विपक्ष वोट चोरी के आरोप लगाता है तो लगाता रहे। निर्वाचन आयोग चुनाव के दौरान 10-10 हजार रूपये बांटने को चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन नहीं मानता है तो कर लो उसका क्या कर सकते हो। न्यायालय ने चुनाव निपटने तक एसआईआर पर फैसला नहीं दिया तो आप क्या कर लोगे। सच यही है कि अब इस व्यवस्था का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। जिसे भी संविधान और लोकतंत्र का ढोल पीटना है पीटता रहे। बदलते भारत में अब इसे आप ढूंढते ही रह जाएंगे।

उपनल कर्मियों का धरना नौवें दिन भी जारी

संवाददाता

देहरादून। नियमितीकरण व समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर धरना नौवें दिन भी जारी रहा।

आज यहां नियमितीकरण व समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर उपनल कर्मियों का धरना नौवें दिन भी जारी रहा। संगठन के संयोजक विनोद गोदियाल ने कहा कि उपनल कर्मचारियों के आंदोलन में शही हुई बहन नीलम डोभाल की दुखद घटना होने पर भी सरकार का कोई मंत्री या अधि कारी धरना स्थल पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त4 करने नहीं आया। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे मंत्री और अधिकारी शायद अभी और कर्मचारियों के बलिदान हाने का इंतजार कर रहे है। धरने पर हरीश कोठारी, महासंघ के प्रदेश महामंत्री विनय प्रसाद, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महेश भटट, प्रदीप सिंह, भूपेश नेगी, गणेश गोदियाल, सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

सराहनीय पहलः अपनी नेक कमाई से विद्यार्थियों को बांटे स्वेटर और जूते

कार्यालय संवाददाता

झज्जर। जिला मुख्यालय के अंतिम छोर पर बसे वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम में जिला झज्जर के लड़ायन गांव के पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 80+45 विद्यार्थियों को नि:शुल्क बांटे स्वेटर और 45 विद्यार्थियों को जूते वितरित किए गए जिसे पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे ।

उपरोक्त वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम में लड़ायन के पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्टाफ ने अपनी नेक कमाई से 45 जोड़ी जूते और 45 स्वेटर उपहार स्वरूप भेंट की गई जो एक प्रेरणादायक पहल थी।

वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम में डॉ. जगविंद्र जाखड़ (सेवानिवृत) वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, हरियाणा सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथि ने बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन और मेहनत व लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। समाजसेवी एवं शिक्षाविद् सुखबीर जाखड़, चेयरमैन, रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। अरविंद कुमार दहिया, प्रिंसिपल, पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम के आयोजन के मुख्य सूत्रधार मास्टर सतीश यादव भाकली व दिलबाग जाखड ने अहम भूमिका निभाई । 22वीं बार रक्तदान कर चुके युद्धवीर सिंह लांबा, अध्यक्ष, मां-मातृभूमि सेवा समिति, वीरों की देवभूमि धारौली ने बताया कि 1. समाजसेवी व शिक्षाविद् सुखबीर जाखड़, चेयरमैन, रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स 2. शिक्षा के साथ साथ सामाजिक सरोकार का दायित्व भी बखुबी से निभा रहे मास्टर हरबीर मल्हान गिरिधरपुर, जिला झज्जर 3. भाकली गांव के समाजसेवी सुधीर कुमार, प्रो. कोमल इलेक्ट्रिक स्टोर, भाकली 4. शिक्षा व समाजसेवा के लिए सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़े रहने वाले सकारात्मक सोच के मास्टर सतीश यादव भाकली 5.समाजसेवी रणसिंह, यदुवंशी तेल टैंकर, भाकली गाँव 6.मास्टर इंद्रजीत सिंह, भूरावास गांव, जिला झज्जर 7.समाजसेवा और शिक्षा को समर्पित मास्टर पवन कुमार, गांव धनीरवास जिला झज्जर 8. कोसली रेलवे स्टेशन से नाहड रोड पर श्सोनू मोटर वाइंडिंग सेंटरश प्रो. सोनू कुमार धारौली निवासी 9.पर्यावरण को समर्पित समाजसेवी मंजीत सिंह, प्रो. श्रीहंस बैग व स्टेशनरी हाउस, कोसली 10.रक्तदानी मास्टर रोहित यादव, प्रो. लेवी डिस्पोसल हाउस, कोसली 11. मास्टर कुलवेन्द्र सिंह यादव, गांव मुमताजपुर, जिला रेवाड़ी 12.समाजसेवी व रक्तदानी नितेश भौरिया प्रो. अर्बन युवा रेडीमेड स्टोर, कोसली 13.मास्टर प्रमिंदर सिंह, तुम्बाहेड़ी गांव, जिला झज्जर के साथ साथ दो गुप्त दानियों ने अपनी ईमानदारी व मेहनत से कमाया नेक धन से वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम के आयोजन मे सहयोग देकर पुण्य कमाया ।

अंत में स्कूल प्रिंसिपल ने कार्यक्रम में आए अतिथियों का आभार व्यक्त किया और बच्चों के लिए इस प्रकार के सहयोगात्मक कार्य के मां-मातृभूमि सेवा समिति, वीरों की देवभूमि धारौली की सराहना की।

नाबालिग लापता

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आजाद नगर कालोनी निवासी व्यक्ति ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री घर से बिना बताये कहीं चली गयी है उसने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

समिति ने महान क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त को जयंती पर किया याद

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड पर आजादी के नायक क्रांतिकारी भगत सिंह के सहयोगी बटुकेश्वर दत्त की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया गया। स्मरण रहे की बटुकेश्वर दत्त का जन्म 18 नवंबर 1910 को बंगाल में हुआ था। समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि बटुकेश्वर दत्त भगत सिंह के संपर्क में आए और हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन किया। 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह के साथ मिलकर दिल्ली केंद्रीय असेंबली में घुसकर इंकलाब जिंदाबाद के नारे भी लगाए और बम भी फेंका और इसके बाद गिरफ्तार हुए। बटुकेश्वर दत्त को याद करने वालों में समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, दानिश नूर, नितिन राठौड़, पारस यादव, जय बिष्ट, सुशील विरमानी, गुलाम मुस्तफा आदि उपस्थित रहे।

पौड़ीः जिलाधिकारी की पहल से कंडोलिया बना फुटबॉल का केंद्र

हमारे संवाददाता

पौड़ी। उत्तराखंड के पर्वतीय जनपद पौड़ी गढ़वाल में एक नया इतिहास रचा गया। यहां जिलाधिकारी की पहल से फुटबाल का केन्द्र कंडोलिया को बनाया गया है। जिसमें खेलों के माध्यम से समुदाय को जोड़ने, युवाओं में ऊर्जा का संचार करने और जिले की पहचान को खेल मानचित्र पर उकेरने की कोशिश की गयी है।

साल 2025 की शरद ऋतु में जब पौड़ी के कंडोलिया मैदान में ढोल-नगाड़ों के साथ राज्य की 14 टीमें उतरीं, तो यह केवल एक खेल आयोजन नहीं था। यह एक सार्थक पहल थी, जिसका उद्देश्य फुटबॉल को पर्वतीय क्षेत्रों में लोकप्रिय बनाना और नए खिलाड़ियों को मंच देना था। चार दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान कंडोलिया मैदान ऊर्जा और उमंग से भर उठा। दर्शकदीर्घाओं में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों तक की भागीदारी ने इस आयोजन को एक जन-उत्सव का रूप दे दिया। उद्घाटन के अवसर पर स्कूलों के नन्हें बच्चों एवं स्थानीय सांस्कृतिक दलों द्वारा पेश किए गए लोकगीतों और स्वागतगीत ने मैदान को रंगारंग बना दिया।

जिला प्रशासन और खेल विभाग के साथ समाज के विभिन्न वर्गों का सहयोग इस आयोजन की खास बात रही। जल संस्थान, स्वास्थ्य, विद्युत, समाज कल्याण, शिक्षा विभाग आदि सभी की सहभागिता ने इसे सुचारु संचालन में मदद की। जिलाधिकारी के निर्देश पर अनुभवी राष्ट्रीय खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया, ताकि प्रतिभागी उभरते खिलाड़ी उनसे सीख सकें। फुटबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी मनीष मैठाणी ने भी इस अवसर पर जिलाधिकारी की सराहना करते हुए कहा कि पौड़ी जैसे पहाड़ी क्षेत्र में इस स्तर का आयोजन एक मिसाल है। फाइनल में हरिद्वार की टीम ने चंपावत को 1-0 से हराया। परंतु यह प्रतियोगिता सिर्फ ट्रॉफियों तक सीमित नहीं रही, यह सपना था पौड़ी को खेलों का उभरता केंद्र बनाने का।

इन हील्स को पहनने के बाद नहीं रह पाएंगी इठलाए बिना

आप एक ड्रेस, जंपसूट या टू-पीस पहनेंगी या आपकी ब्राइड्समेड्स क्या पहनेंगी और आप रिसेप्शन में कौन सा कॉकटेल सर्व करेंगी, शादी से संबंधित बहुत सारे निर्णय हैं, लेकिन सबसे अच्छे में से एक, हम तर्क देंगे, आपके शादी के जूते चुन रहा है। आपके लुक के सहायक के रूप में, यह एक ऐसा निर्णय है जो दूसरों की तुलना में बहुत कम दबाव वाला है और जिसके साथ आप वास्तविक आनंद ले सकते हैं।

हाल के वर्षों में, शादी की पोशाक के प्रति दृष्टिकोण में आराम आया है और वे दिन गए जब सभी दुल्हन के जूते एक जैसे दिखते थे। आधुनिक दुल्हनें फ्लैट पंप्स से लेकर हील खच्चरों और ऊंचे स्ट्रैपी स्टिलेटोस तक जो चाहें पहन सकती हैं और चुनने के लिए बहुत सारे अलग-अलग रंग और कपड़े हैं।

अपने आदर्श ब्राइडल जूतों का चयन करते समय, तय करें कि आप वास्तव में क्या दिखाना चाहते हैं। यदि आप एक मिनिमलिस्ट सिल्क स्लिप ड्रेस में हैं, तो शो-स्टॉपिंग, एम्बेलिश्ड हील्स की एक जोड़ी के लिए अंतिम लुक डायल कर सकते हैं, लेकिन यदि आपका पहनावा पहले से ही वॉल्यूम बोलता है, तो आप सिंपल, पारेड की जोड़ी के लिए सबसे अच्छा विकल्प हो सकते हैं- वापस साटन जूते। आपका वाइब जो भी हो, इस सीजन में हर दुल्हन के लिए कुछ न कुछ है।

हील्स महिलाओं की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं और अगर आप उनमें आराम से चल फिर सकती हैं तो आपको अपनी आलमारी में हील्स की कुछ जोड़ी जरूर रखनी चाहिए। हालांकि हील्स में भी कई वैरायटी आती हैं और सभी को खास मकसद के साथ तैयार किया जाता है, ताकि आप अपनी पसंद और सुविधा के अनुसार चुनाव कर सकें।

पम्प्स

आमतौर पर स्टिल्टोज़ की तुलना में पम्प्स कम ऊंचे होते हैं। पम्प्स की ऊंचाई सधी होती है, जिसकी वजह से चलने में आसानी रहती है। आप अपनी पसंद के अनुसार पैरों को पूरी तरह से कवर करने वाले या सामने की ओर से थोड़ा-सा खुला रहने वाले पम्प्स का चुनाव कर सकती हैं। अगर पम्प्स की पहली जोड़ी ख़रीदने वाली हैं तो ब्लैक या न्यूड कलर को प्राथमिकता दें।

ब्लॉक हील्स

जब आप ऐसे हील्स के बारे में सोचती हैं, जिनमें चलना-फिरना बहुत आरामदायक लगे, तो जेहन में ब्लॉक हील्स की ही तस्वीर आती है। ये स्टिल्टोज़ और पम्प्स की तुलना में अधिक चौड़े होते हैं और आपके पॉश्चर को अधिक स्थिर रखने का काम करते हैं। आप चाहे स्लेन्डर बेस या फुल वेज़ या फिर म्यूल्स का चुनाव करें पर अपने लिए कम से कम एक पेयर ज़रूर रखें, जो ट्रेंडिंग हों और हर अवसर पर एकदम परफ़ेक्ट नज़र आएं।

प्लैटफ़ॉर्म हील्स

हालांकि आप इन्हें रोज़ाना नहीं पहन सकती हैं, लेकिन प्लैटफ़ॉर्म हील्स बहुत ही आरामदायक होती हैं। ये उन दिनों के लिए बहुत ही बढ़िया विकल्प हैं, जब आपको बहुत ज्यादा चलना रहता है। इनकी हील्स एक समान होती है और इस वजह से आपके पैर संतुलित रहते हैं।

स्टिल्टोज

ऊंचे और संकरे स्टिल्टोज़ पैरों को लंबा और पतला दिखाते हैं। स्टिलटोज़ पीछे से आगे की तरफ़ पतले होते हैं और उंगलियों के पास नुकीले। हालांकि उन्हें लंबे समय तक पहनना मुश्किल होता है, लेकिन निश्चित रूप से वे एक स्टेटमेंट लुक देते हैं। स्टिल्टोज़ को आप उन नाइट पार्टीज़ के लिए संजोकर रख सकती हैं, जिनमें आप काफ़ी सजी-संवरी नज़र आना चाहती हैं। और हां, आप इस बात का खूयाल रखें कि पार्टी में आपको चलना भी कम पड़े।

किटन हील्स

किटन हील्स उनके लिए है, जो हाई हील्स से दूर भागती हैं या आप इतनी लंबी हैं कि आपको अतिरिक्त लंबाई जोडने् की ज़रूरत महसूस नहीं होती है। ये ना बहुत ऊंची होती हैं और ना ही संकरी, इसलिए आरामदायक हील्स की श्रेणी में आती हैं। यह आपके आउटफ़िट लुक को उभारने का भी काम करती हैं। सबसे अच्छी बात इनकी यह है कि आप इन्हें रोज़ाना इस्तेमाल में भी ला सकती हैं।

एस्पाड्रिल्स

ये कैजुअल, रोप-सॉलिड शूज़ या तो फ़्लैट होते हैं या फिर हाई-हील वाले होते हैं। यह उनके लिए परफ़ेक्ट हैं, जो एजी स्टाइल के साथ आरामदायक पेयर की तलाश में हैं!

आलू के जूस को अपनी डाइट में करें शामिल, मिलेंगे ये 5 प्रमुख लाभ

आलू का जूस पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस और कॉपर सहित कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह जूस इम्यूनिटी बढ़ाने, अर्थराइटिस का प्रभाव कम करने, लीवर को डिटॉक्स करने और अल्सर से राहत दिलाने जैसे कई लाभ दे सकता है। ऐसे में इसे डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। आइए आज हम आपको आलू के जूस के सेवन से मिलने वाले पांच प्रमुख फायदे बताते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार

आलू के जूस में मौजूद विटामिन- सी की पर्याप्त मात्रा इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ कई तरह के संक्रमण और बीमारियों से शरीर को सुरक्षित रखने में मदद कर सकती है। विटामिन- सी शरीर में कोलेजन का उत्पादन बढ़ाने में भी मदद कर सकता है और हानिकारक मुक्त कणों से शरीर की रक्षा कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह शरीर में व्हाइट ब्लड सेल्स के उत्पादन को बढ़ाने में भी सहायक माना जाता है।

पेट के अल्सर से कर सकता है बचाव

हाई एसिड, शराब के अधिक सेवन और तनाव आदि के कारण पेट में अल्सर हो सकता है। ऐसे में आलू का जूस एक एंटी-बैक्टीरियल प्रोबायोटिक ड्रिंक की तरह काम करके पेट में अल्सर होने की संभावना को काफी कम करने में मदद कर सकता है। अध्ययनों के अनुसार, आलू का जूस पेट की सूजन को कम करने और पेट के कई संक्रमणों को खत्म करने में मदद कर सकता है।

हड्डियों को दे सकता है मजबूती

आलू के जूस में उच्च मात्रा में मैंगनीज मौजूद होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। इसके अतिरिक्त इसमें मौजूद कैल्शियम ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की बीमारी) के जोखिम कम करने में मदद कर सकता है और हड्डियों को काफी मजबूत भी बना सकता है। आलू के जूस में एलेगिक एसिड भी होता है, जो हड्डी के फ्रैक्चर का खतरा कम करने में भी मदद करता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा होगा कम

हाई कोलेस्ट्रॉल का अनियंत्रित स्तर हृदय रोग का खतरा बढ़ा सकता है। ऐसे में इसे नियंत्रित रखना जरूरी है।

एक शोध के अनुसार, आलू के जूस में मौजूद विटामिन- ए, विटामिन- बी कॉम्पलेक्स और विटामिन- सी हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर सकते हैं। यह फाइबर से भी भरपूर होता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

कैंसर से बचाव करने में है सहायक

आलू के जूस में मौजूद एंटी-कैंसर प्रभाव शरीर की स्वस्थ और सामान्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना कोशिका के माइटोकॉन्ड्रिया पर हमला करके 40 से अधिक प्रकार की कैंसर कोशिकाओं को खत्म कर सकता है दरअसल, यह प्रभाव कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकता है और शरीर को कई तरह के कैंसर से सुरक्षित रख सकता है। ऐसे में आपका अपनी डाइट में आलू के जूस को शामिल करना काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

रात के समय होती है सिर में खुजली? इन तरीकों पाएं छुटकारा

यदि रात में सिर में खुजली होना आपके लिए एक सामान्य है तो आपको बता दें कि यह स्थिति जल्दी से अधिक गंभीर हो सकती है। स्कैल्प को तेजी से खुजलाने से बालों के रोमछिद्रों को नुकसान हो सकता है और बालों के टूटने और झड़ने का कारण बन सकता है। आइए आज हम आपको रात में होने वाली सिर की खुजली को दूर करने के लिए 5 तरीके बताते हैं।

सेब के सिरके का करें इस्तेमाल

सेब का सिरका अपने एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-फंगल गुणों के लिए जाना जाता है, जो सिर की खुजली को कम करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एक स्प्रे बोतल को आधा सेब का सिरका और आधा पानी भर लें। इसके बाद इसे अच्छी तरह मिलाकर स्टोर कर लें। जब भी आपकी स्कैल्प में खुजली हो तो इस मिश्रण का इस्तेमाल करें। हालांकि, इस मिश्रण के इस्तेमाल से पहले त्वचा पर पैच टेस्ट जरूर करें।

पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल करेगा मदद

पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल का स्कैल्प पर ठंडा प्रभाव पड़ता है, जो सिर की खुजली को दूर करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए पेपरमिंट एसेंशिल ऑयल की 2 बूंदें और नारियल या जैतून के तेल की 5 बूंदें मिलाकर सिर में लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। 20 मिनट बाद सिर को पहले शैंपू से साफ करें और फिर इस पर कंडीशनर का इस्तेमाल करें। इससे आपको खुजली से तत्काल राहत मिलेगी।

टी ट्री ऑयल भी है प्रभावी

टी ट्री ऑयल में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव होता है। यह स्कैल्प की खुजली या जलन को कम करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए टी ट्री ऑयल की 5-10 बूंदों को मीठे बादाम या जोजोबा तेल की 10 बूंदों के साथ मिलाएं और इसे अपने सिर में लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। कुछ देर बाद सिर धो लें। वैकल्पिक रूप से आप टी ट्री ऑयल वाले शैंपू और अन्य उत्पादों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लैवेंडर का तेल भी है कारगर

लैवेंडर का तेल सिर की खुजली और स्कैल्प का रूखापन दूर करने में काफी मदद कर सकता है। लाभ के लिए लैवेंडर के तेल की 2 बूंदों को जैतून के तेल की 5 बूंदों के साथ मिलाएं और इस मिश्रण को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाकर मालिश करें। 20 से 30 मिनट के बाद अपने सिर को शैंपू और कंडीशनर से धो लें। हफ्ते में 2 बार इस उपाय को दोहराएं।

मेडिटेशन करें

कई शोध के मुताबिक, मेडिटेशन चिंता और तनाव को कम कर सकता है। इससे सिर की खुजली को दूर करने में काफी मदद मिलती है। इसलिए आप रात में अपने स्कैल्प को खुजली से बचाने के लिए मेडिटेशन भी आजमा सकते हैं, लेकिन यदि खुजली बनी रहती है तो पूर्ण उपचार के विकल्पों के लिए ट्राइकोलॉजिस्ट से परामर्श करें। इसका कारण है कि खुजली के पीछे कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी हो सकती है।

खांसी की समस्या से राहत दिलाने में सहायक हैं ये घरेलू नुस्खे

खांसी एक आम समस्या है, जो किसी भी मौसम में हो सकती है। यह समस्या ठंड, गले में खराश या एलर्जी के कारण होती है। खांसी होने पर गले में जलन होती है और बार-बार खांसी आने लगती है, जिससे आराम नहीं मिलता है। इस लेख में हम कुछ असरदार घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनसे आप खांसी से जल्दी राहत पा सकते हैं और अपने गले को शांत रख सकते हैं।

शहद का सेवन करें- शहद एक प्राकृतिक उपाय है, जो खांसी के इलाज में बहुत कारगर है। रात को सोने से पहले एक चम्मच शहद का सेवन करने से गले की जलन कम होती है और नींद भी अच्छी आती है। शहद में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं और खांसी को दूर करते हैं। इसके अलावा शहद में ऐसे गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

अदरक और तुलसी की चाय पिएं- अदरक और तुलसी की चाय खांसी के लिए बहुत फायदेमंद होती है। अदरक में ऐसे तत्व होते हैं, जो जलन को कम करते हैं। तुलसी में ऐसे तत्व होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। एक कप पानी में कुछ टुकड़े अदरक के डालकर उबालें, फिर उसमें कुछ पत्तियां तुलसी की डालें और इसे 5 मिनट तक पकने दें। अब इसमें थोड़ी शक्कर डालकर पिएं।

नमक वाले पानी से गरारे करें- नमक वाले पानी से गरारे करने से गले की जलन कम होती है और राहत मिलती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर इसका इस्तेमाल करें। इससे कीटाणु खत्म होते हैं और गले की सफाई होती है। इस उपाय को दिन में दो बार करें ताकि जल्दी आराम मिले। इससे गले की सूजन भी कम होती है और खांसी की समस्या में राहत मिलती है।

प्याज का रस लगाएं- प्याज का रस भी खांसी के इलाज में मददगार होता है। प्याज में ऐसे गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होते हैं। प्याज को काटकर उसका रस निकाल लें और इसे थोड़ी शक्कर मिलाकर खाएं या इसे पानी में मिलाकर पिएं। इससे गले की जलन कम होती है और खांसी में राहत मिलती है। इस उपाय को दिन में दो बार करें ताकि जल्दी आराम मिले।

भाप लें- भाप लेना भी एक प्रभावी तरीका है, जिससे खांसी में आराम मिलता है। गर्म पानी में थोड़ी कपूर या पुदीना तेल डालकर उसकी भाप लें। इससे नाक बंद होती है और सांस लेने में आसानी होती है। इसके अलावा भाप लेने से गले की जलन भी कम होती है और खांसी में राहत मिलती है। इस उपाय को दिन में दो बार करें ताकि जल्दी आराम मिले।

पूरे दिन कंसीलर को बरकरार रखने के लिए अपनाएं ये तरीके

कंसीलर एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है, जो आंखों के काले घेरे, मुंहासों और अन्य असमानताओं को छुपाने में मदद करता है। हालांकि, कई बार यह जल्दी फीका हो जाता है या फैल जाता है, जिससे हमारा लुक बिगड़ सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने कंसीलर को लंबे समय तक बरकरार रख सकते हैं और पूरे दिन ताजा दिख सकते हैं।

बेस को मजबूत करें- प्राइमर का उपयोग करने से आपके मेकअप की नींव मजबूत होती है। यह त्वचा को चिकना बनाता है और कंसीलर को सही जगह पर सेट करता है। इसके अलावा प्राइमर त्वचा की अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करता है, जिससे कंसीलर जल्दी नहीं फिसलता। प्राइमर लगाने के बाद थोड़ा इंतजार करें ताकि वह अच्छी तरह से त्वचा में समा जाए, फिर कंसीलर लगाएं। इससे आपका मेकअप पूरे दिन ताजा दिखेगा और लंबे समय तक चलेगा।

सही रंग का चयन-कंसीलर चुनते समय अपने त्वचा के रंग और टोन का ध्यान रखें। अगर आपकी त्वचा गहरी है तो थोड़े पीले या नारंगी टोन वाला कंसीलर चुनें, जो काले घेरे को छुपाने में मदद करेगा, वहीं अगर आपकी त्वचा हल्की है तो हल्के गुलाबी या बेज टोन वाला कंसीलर बेहतर रहेगा। सही रंग चुनने से आपका मेकअप प्राकृतिक लगेगा और कंसीलर अच्छे से सेट होगा, जिससे वह लंबे समय तक बरकरार रहेगा।

पाउडर का उपयोग कंसीलर लगाने के बाद फिक्सिंग पाउडर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी होता है। यह पाउडर कंसीलर को सेट करता है और उसे फैलने से रोकता है। फिक्सिंग पाउडर लगाने से आपकी आंखों के नीचे की त्वचा सूखी रहती है, जिससे मेकअप लंबे समय तक बरकरार रहता है। इसके अलावा फिक्सिंग पाउडर चेहरे की अतिरिक्त तेल को भी नियंत्रित करता है, जिससे आपका लुक पूरा दिन ताजा और सही बना रहता है।

स्प्रे का उपयोग करें- मेकअप सेटिंग स्प्रे आपके पूरे चेहरे के मेकअप को सेट करने में मदद करता है। इसे लगाने से आपके चेहरे का मेकअप धुंधला नहीं होता और कंसीलर भी अपनी जगह पर बना रहता है। मेकअप करने के बाद चेहरे पर हल्का-सा मेकअप सेटिंग स्प्रे छिड़कें ताकि आपका लुक पूरा दिन ताजा दिखे। यह स्प्रे न केवल आपके मेकअप को सेट करता है बल्कि उसे लंबे समय तक बरकरार भी रखता है।

समय-समय पर जांचें- पूरे दिन में एक या दो बार समय-समय पर अपनी आंखों के नीचे की स्थिति जांचें। अगर आपको लगता है कि कहीं मेकअप थोड़ा धुंधला हो रहा है तो उस हिस्से पर हल्का-सा पाउडर लगाएं या थोड़ा-सा कंसीलर फिर से लगाएं। इस तरह आप अपने मेकअप को सही रख सकते हैं और किसी भी असमानता को तुरंत ठीक कर सकते हैं। इन सरल लेकिन प्रभावी तरीकों से आप अपने कंसीलर को पूरे दिन बरकरार रख सकते हैं।(आरएनएस)

डैंड्रफ से जुड़े इन भ्रमों को न मानें सच, हो सकता है नुकसान

डैंड्रफ एक आम समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। इसके बारे में कई भ्रम भी फैले हुए हैं, जिन्हें लोग सच मान लेते हैं। इन भ्रमों पर विश्वास करने से समस्या और बढ़ सकती है। इस लेख में हम पांच प्रमुख भ्रमों का सच जानेंगे और समझेंगे कि ये कितने सही हैं और इनसे कैसे निपटा जा सकता है। इससे आपको सही जानकारी मिलेगी और आप बेहतर तरीके से डैंड्रफ की समस्या का समाधान कर सकेंगे।

भ्रम- डैंड्रफ केवल तैलीय बालों वाले लोगों को होता है

यह सबसे आम भ्रम है कि डैंड्रफ केवल तैलीय बालों वाले लोगों को होता है। सच यह है कि डैंड्रफ किसी भी प्रकार के बालों में हो सकता है, चाहे वे तैलीय हों या सूखे। डैंड्रफ का असली कारण सिर की त्वचा की जलन, फंगल संक्रमण या अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं से जुड़ा होता है, न कि बालों के प्रकार से। इसलिए अपने बालों के प्रकार के आधार पर ही शैंपू और बालों की देखभाल के उत्पाद चुनें।

भ्रम- डैंड्रफ सिर्फ शुष्क मौसम में होता है

बहुत से लोग मानते हैं कि डैंड्रफ केवल शुष्क मौसम में होता है, लेकिन यह सच नहीं है। डैंड्रफ किसी भी मौसम में हो सकता है, चाहे वह गीला हो या सूखा। असल में फंगल संक्रमण, त्वचा की जलन और अन्य कारणों से डैंड्रफ होता है। इसलिए मौसम के आधार पर अपने बालों की देखभाल के तरीके को न बदलें और सही उत्पादों का उपयोग करें ताकि आप इस समस्या से बच सकें।

भ्रम- डैंड्रफ का इलाज महंगे उत्पादों से ही संभव है

यह भी एक गलतफहमी है कि डैंड्रफ का इलाज केवल महंगे शैंपू और बालों की देखभाल के उत्पादों से ही संभव है। सच यह है कि सस्ती और प्राकृतिक सामग्रियों वाले उत्पाद भी डैंड्रफ को कम करने में मदद कर सकते हैं। जैसे कि नीम का पेस्ट, एलोवेरा जेल या नारियल तेल आदि का उपयोग किया जा सकता है। इनसे न केवल डैंड्रफ कम होगा बल्कि बाल भी स्वस्थ रहेंगे और चमकदार दिखेंगे।

भ्रम- डैंड्रफ सिर्फ युवाओं में होता है

डैंड्रफ केवल युवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। बच्चों, किशोरों, वयस्कों और बुजुर्गों सभी में डैंड्रफ हो सकता है। यह त्वचा की जलन, फंगल संक्रमण या अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं का परिणाम हो सकता है। इसलिए उम्र के आधार पर अपने बालों की देखभाल के तरीके को न बदलें और सही उत्पादों का उपयोग करें ताकि आप इस समस्या से बच सकें।

भ्रम- डैंड्रफ संक्रामक होता है

बहुत लोग मानते हैं कि डैंड्रफ संक्रामक होता है यानी इसे छूने या पास आने से दूसरों को हो सकता है। यह पूरी तरह गलत है क्योंकि डैंड्रफ किसी व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक नहीं फैलता। यह एक त्वचा संबंधी समस्या होती है, जो फंगल संक्रमण या अन्य कारणों से होती है। इन भ्रमों को जानकर आप सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और डैंड्रफ की समस्या का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18		■	19	20			■	21
■	22	23			■	■	■	
■	■		■	■	24	■	25	
26			■	27				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 53 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

आंध्र किंग तालुका का तीसरा गाना चिन्नी गुंडेलो हुआ रिलीज़

निर्देशक महेश बाबू पी की आगामी व्यावसायिक मनोरंजक फिल्म आंध्र किंग तालुका, जिसमें अभिनेता राम पोथिनेनी मुख्य भूमिका में हैं, के निर्माताओं ने फिल्म का तीसरा सिंगल चित्री गुंडेलो रिलीज़ किया, जिससे प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों को बेहद खुशी हुई।

यह नया रिलीज़ हुआ मनमोहक गीत एक रोमांटिक गीत है जो दर्शकों को एक जादुई दुनिया में ले जाता है जहाँ मुख्य जोड़ी तारों के बीच खेलते, चांदनी में डूबते और कोमल रोमांटिक पल साझा करते हुए दिखाई देते हैं, जो एक बेहद आनंददायक अनुभव प्रदान करता है। विवेक और मर्विन की रचना उत्कृष्ट है, जबकि मर्विन सोलोमन और सत्य यामिनी की मधुर आवाज़ें इस गीत को और भी ऊँचा उठाती हैं। कृष्ण कंठ के मधुर बोल गीत के सार को खूबसूरती से बयां करते हैं।

पर्दे पर, राम और भाग्यश्री बोरसे की केमिस्ट्री बेहद मनमोहक है, जो गाने के आकर्षण को और बढ़ा देती है। जानी मास्टर ने इस रोमांटिक गाने को एक जीवंत और मनमोहक सेट पर बेहतरीन कोरियोग्राफ किया है। अपनी मनमोहक ऊर्जा और आकर्षण के साथ, यह एल्बम का एक और ब्लॉकबस्टर हिट बनने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि यह फिल्म इसी साल 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी सिद्धार्थ नूनी ने की है, जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक श्रीकर प्रसाद को फिल्म के संपादन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जैसा कि प्रोडक्शन हाउस ने घोषणा की है, यह फिल्म सागर नामक एक प्रशंसक की बायोपिक है, जिसका किरदार राम पोथिनेनी निभा रहे हैं। अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे, जिनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेज़ी से बढ़ रहा है, इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार उपेंद्र भी नज़र आएंगे। उपेंद्र फिल्म में सूर्य कुमार नामक एक सुपरस्टार का किरदार निभा रहे हैं।

एक बेहद अनुभवी तकनीकी टीम द्वारा समर्थित, यह परियोजना उच्च-स्तरीय सिनेमाई गुणवत्ता का वादा करती है। यूनिट द्वारा जारी किया गया शीर्षक टीज़र एक थिएटर में टिकट जारी करने वाले व्यक्ति द्वारा क्षेत्र के सभी वीआईपी के लिए टिकट चिह्नित करने से शुरू होता है। तभी राम पोथिनेनी आते हैं और काउंटर पर मौजूद व्यक्ति से 50 टिकट मांगते हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि वह किस तालुका का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो वह कहते हैं, प्रशंसक।

राम पोथिनेनी, भाग्यश्री बोरसे और उपेंद्र के अलावा, इस फिल्म में राव रमेश, मुरली शर्मा, सत्या, राहुल रामकृष्ण और वी.टी.वी. गणेश जैसे कई प्रतिभाशाली कलाकार भी नज़र आएंगे।

बादशाह के कोकाइना गाने पर थिरकीं नम्रता मल्ला, फैंस ने दिया भोजपुरी की नोरा फतेही का टैग

भोजपुरी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस नम्रता मल्ला अपने हर नए अवतार और डांस मूव्स के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स की संख्या लाखों में है और हर पोस्ट या वीडियो को उनके फैंस बेहद पसंद करते हैं। उनका फैशन सेंस, खास अंदाज और जबरदस्त डांसिंग स्किल्स उन्हें बाकी अभिनेत्रियों से अलग बनाती हैं।

अक्सर नम्रता मल्ला अपने फैंस के लिए चौंकाने वाले वीडियो पोस्ट करती रहती हैं, जिनमें उनका डांस, स्टाइल और एनर्जी साफ देखने को मिलती है। रविवार को भी उन्होंने एक डांस वीडियो पोस्ट किया, जो अब इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में नम्रता मल्ला बादशाह के गाने कोकाइना पर डांस करती नजर आ रही हैं।

इस वीडियो में उन्होंने गाने के हुक स्टेप को बड़े ही एनर्जेटिक और स्टाइलिश अंदाज में किया है। उनका हर मूव बेहद आकर्षक और परफेक्शन के साथ दिखाई देता है। डांस के दौरान उनके एक्सप्रेशन और जबरदस्त परफॉर्मेंस ने फैंस को कायल कर दिया है। वीडियो की लुक्स और कैमरा एंगल्स भी शानदार हैं।

सोशल मीडिया पर फैंस ने उनके इस वीडियो को काफी पसंद किया और कमेंट्स में उनकी तारीफें की जा रही हैं। कई लोगों ने कहा कि नम्रता ने अपने डांस में बादशाह के गाने की बीट्स को पूरी तरह फॉलो किया और हर स्टेप को बेहद सहज और आकर्षक अंदाज में पेश किया।

वहीं कुछ लोगों ने उन्हें भोजपुरी की नोरा फतेही का टैग दिया। कोकाइना गाने की बात करें तो यह बादशाह का नया हिट नंबर है, जिसके संगीत और बीट्स की वजह से युवा दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। नम्रता मल्ला भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिनकी लोकप्रियता और करियर ग्राफ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने हिंदी, पंजाबी, मराठी और भोजपुरी म्यूजिक वीडियोज में काम किया है और उनके कई गाने जैसे बारिश, राजा जी, सुल्फियां और दिलबर दर्शकों के बीच हिट रहे हैं।

पेद्दी के पहले गाने चिकिरी का प्रोमो जारी, बैठकर खास अंदाज में डांस करते नजर आए राम चरण

अपकमिंग फिल्म पेद्दी की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं। उनके साथ बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर होंगी। इसका निर्देशन बूची बाबू साना कर रहे हैं। निर्माताओं ने आज फिल्म के गाने चिकिरी की एक झलक सोशल मीडिया पर दिखाई है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में यह जानकारी भी दी गई है कि पूरा गाना कब रिलीज होगा?

इंस्टाग्राम पर पेद्दी के निर्माताओं ने गाने की झलक दिखाई है। इसमें पहाड़ों और गांव के दृश्य हैं। राम चरण बैठकर डांस कर रहे हैं। डांस करते हुए वह काफी खुश हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा है पेद्दी के पहले गाने चिकिरी-चिकिरी का प्रोमो आ गया है। पोस्ट में यह भी जानकारी है कि गाने का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है और मोहित चौहान ने इसे आवाज दी है।

गाने को रिलीज करने से पहले निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें पेद्दी के निर्देशक बूची बाबू साना और एआर रहमान चिकिरी गाने के बारे में बातचीत कर रहे हैं। बुची बाबू साना कहते हैं जब मैं सातवीं कक्षा में पढ़ रहा था तब मेरे भाई ने मुझे आपके गाने के बारे में बताया था। उन्होंने आगे बताया कि जब आपने पेद्दी के लिए हामी भरी तो मैंने इसके बारे में अपने भाई को बताया तो वह तालियां बजाने लगा। एआर रहमान ने निर्देशक से गाने में चिकिरी का मतलब पूछा तो उन्होंने बताया नायक के गांव में, पुरुष सुंदर महिलाओं को प्यार से चिकिरी कहते हैं। बताया जाता है कि फिल्म पेद्दी में अभिनय करने के लिए राम चरण ने अपने आप में कई बदलाव किए। इसमें जान्हवी कपूर अचियम्मा नाम का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा अहम किरदार में होंगे। पेद्दी 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन रामचरण का जन्मदिन भी है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

निमृत कौर अहलूवालिया की ओटीटी पर एंट्री

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार' के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं।

निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है।

सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा।

मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है। उनके फैंस भी लंबे समय से उन्हें किसी नए रूप में देखने के लिए उत्साहित हैं, और यह सीरीज उनके करियर में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

भारत के लोगों में देश छोड़ने की बेचैनी ?

अजीत द्विवेदी

पहले कुछ आंकड़ों से ही बात शुरू करते हैं। ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट यानी ओईसीडी की ओर से सोमवार, तीन नवंबर को इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक 2025 जारी किया गया। इसके मुताबिक 2023 में सवा दो लाख भारतीयों ने ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता हासिल की। इस अवधि में पूरी दुनिया से करीब 28 लाख लोगों ने ओईसीडी देशों की नागरिकता ली है, जिसमें अकेले भारत से सवा दो लाख लोग हैं।

भारत के बाद दूसरे स्थान पर फिलीपींस है, जिसके एक लाख 32 हजार लोगों ने 2023 में ओईसीडी देशों की नागरिकता हासिल की है। तीसरे स्थान पर चीन है, जिसके 96 हजार लोग इन देशों में बसे। भारतीय लोगों में ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता लेने का यह ट्रेंड ऐसा नहीं है कि एक साल का है। यह साल दर साल बढ़ता जा रहा है। 2022 में दो लाख 15 हजार के करीब लोगों ने ओईसीडी देशों की नागरिकता ली थी और उससे पहले 2021 में दो लाख सात हजार के करीब लोग इन देशों में जाकर बसे थे।

ओईसीडी समूह में कुल 38 देश हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देश शामिल हैं। इसमें उत्तरी अमेरिकी देशों के अलावा ज्यादातर यूरोपीय देश हैं। इन देशों की विशेषता यह है कि ये आर्थिक रूप से विकसित तो हैं ही साथ ही इन देशों में मानव जीवन के अनुकूल सबसे बेहतर स्थितियां हैं। हवा और पानी स्वच्छ है। खाने पीने की चीजें प्रदूषित नहीं हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत बेहतर है। स्वास्थ्य व शिक्षा की विश्व स्तरीय व्यवस्था है और मानवाधिकारों के प्रति सजग दृष्टि है। तभी दुनिया भर के लोग इन देशों में बसना चाहते हैं। यह अलग बात है कि इन देशों के नागरिकों में बाहरी लोगों के प्रति नाराजगी बढ़ने लगी है और वे खुल कर विरोध करने लगे हैं। बहरहाल, भारत की नागरिकता छोड़ने वालों में सबसे ज्यादा 78 हजार से कुछ ज्यादा लोगों ने कनाडा में नागरिकता ली है, जबकि 52 हजार से कुछ ज्यादा लोग अमेरिका के नागरिक बने हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड का नंबर है।

इन आंकड़ों के बीच एक बड़ा दिलचस्प ट्रेंड यह दिख रहा है कि 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है और यह प्रचार शुरू हुआ है कि भारत विश्वगुरू बन रहा है और दुनिया में भारत का डंका बज रहा है उसके बाद लोगों के देश छोड़ने का चलन ज्यादा बढ़ा है। इसमें अचानक बहुत तेज बढ़ोतरी हुई है। भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने से एक साल पहले 2013 में सिर्फ 15,388 भारतीयों ने ओईसीडी समूह के देशों की नागरिकता ली थी। ध्यान रहे उस समय इन देशों की नागरिकता हासिल करना बहुत आसान था। इन देशों में नाममात्र के लिए भी भारत विरोध की भावना नहीं थी। इन देशों के नागरिक भारतीय लोगों का खुले दिल से स्वागत करते थे। फिर भी भारत की नागरिकता छोड़ कर इन देशों में जाने वालों की संख्या बहुत सीमित थी। अब इन देशों में खास कर शीर्ष चार देशों, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में भारत विरोधी भावनाएं बहुत बढ़ गई हैं। इन देशों के कई शहरों में भारतीय नागरिकों के ऊपर हमले हुए हैं और देश छोड़ कर जाने को कहा गया है। आए दिन भारत के लोग घृणा और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं इन देशों ने नागरिकता के नियम भी सख्त कर दिए हैं। फिर भी भारत छोड़ कर इन देशों की नागरिकता लेने की होड़ मची है। दिलचस्प बात यह है कि भारत से लोग किसी मानवीय संकट की वजह से इन देशों में नहीं जा रहे हैं। दुनिया के कई देशों खास कर मुस्लिम देशों से शरणार्थी मानवीय संकट के कारण इन देशों में जा रहे हैं। लेकिन भारत से जाने का ट्रेंड आउट ऑफ च्वाइस है। यानी लोग अपनी पसंद से इन देशों में जा रहे हैं। नागरिकता हासिल करने से पहले बड़ी संख्या में भारतीय लोग इन देशों में कामकाज के सिलसिले में जा रहे हैं। 2023 में करीब छह लाख भारतीय इन देशों में पेशेवर कारणों से गए। यह उससे पहले यानी 2022 के मुकाबले आठ फीसदी ज्यादा था। अगले दो साल यानी 2024 और 2025 के आंकड़े बाद में आएंगे। लेकिन जो ट्रेंड है उसके कमजोर होने के संकेत नहीं हैं, बल्कि तमाम विरोध और नफरत के बावजूद भारत के नागरिकों के इन देशों में जाने का सिलसिला तेज हुआ है।

सोचें, यह संख्या कानूनी रूप से इन देशों में जाकर नागरिकता लेने वालों की है या कानूनी रूप से वैध वीजा के साथ इन देशों में जाने वालों की है। इनके अलावा हजारों की संख्या में लोग हर साल अवैध रूप से इन देशों में घुसने का प्रयास करते हैं। यह भी हकीकत है कि भारत के लोग इन देशों में जाकर वहां की बुनियादी व्यवस्था में सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ओईसीडी समूह के देशों में भारतीय डॉक्टर और नर्स सबसे बड़ी संख्या में हैं। ब्रिटेन के कुल विदेशी डॉक्टरों में भारत के डॉक्टरों का हिस्सा 23 फीसदी है। इसी तरह अमेरिका में यह हिस्सा आठ फीसदी है।

अब सवाल है कि भारत में ऐसा क्या बदल गया, जिसकी वजह से इतनी बड़ी संख्या में लोग दूसरे विकसित, सभ्य और लोकतांत्रिक देशों में बस रहे हैं या बसने के लिए परेशान हैं? यह बात तो समझ में आती है कि इन देशों में हालात बहुत बेहतर हैं। पिछले दिनों एक जानकार ने बताया कि दुबई जाकर सेटल होने के पीछे एकमात्र कारण सुरक्षा की भावना थी। भारत में कोई भी व्यक्ति अपनी और अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता है। लेकिन दुबई में हर छोटे, बड़े अपराध से सुरक्षा है। सुरक्षा की यह भावना लोगों को ओईसीडी देशों में जाकर बसने के लिए निर्देशित करती है। इसके अलावा बेहतर अवसर की उपलब्धता, बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा और बेहतर जीवन स्तर भी लोगों को निर्देशित करने वाली शक्ति है। लेकिन यह समझ में नहीं आता है कि भारत छोड़ने के लिए क्या चीज प्रेरित कर रही है? दूसरा सवाल यह है कि लोगों की चिंता अभी की है या भविष्य की चिंता में वे देश छोड़ रहे हैं?

ऐसा लग रहा है कि तात्कालिक कारणों से ज्यादा भविष्य की चिंता में लोग भारत छोड़ने को प्रेरित हो रहे हैं। सरकार की ओर से 2047 तक भारत को विकसित बना देने के वादे पर कम से कम उस वर्ग के लोगों में भरोसा नहीं है, जो पेशेवर योग्यता के दम से दुनिया के किसी देश में जाकर काम हासिल करने और बसने में सक्षम हैं या आर्थिक रूप से इतने सक्षम हैं किसी भी देश में जाकर बस सकते हैं इसका अर्थ है कि देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को लेकर उनके मन में संदेह है। सरकार के विकास के दावों को लेकर भी उनके मन में भरोसा नहीं है। यही कारण है कि अर्थ और ज्ञान से संपन्न लोग देश छोड़ने की बेचैनी में हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रद्धा कपूर डिज्नी की जूडी हॉप्स को देंगी आवाज

श्रद्धा कपूर सच में बॉलीवुड की सबसे प्यारी और क्यूट एक्ट्रेसेस में से एक है। जहां उन्होंने हमेशा अपने अलग अंदाज से दर्शकों को मोहित किया है, अब वो अपनी आवाज से दिल जीतने वाली हैं, डिज्नी की जूटोपिया 2 के हिंदी वर्जन में जूडी हॉप्स के रूप में। अपनी आवाज के जरिए अपनी क्यूटनेस दिखाते हुए, वो बिना किसी शक सबसे अच्छी और सही चॉइस हैं जूडी का प्यारा किरदार निभाने के लिए।

जी हां, श्रद्धा कपूर ने आधिकारिक तौर पर जूटोपिया की दुनिया में कदम रखा है। वो अपनी आवाज देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, सुपर-क्यूट जूडी हॉप्स के लिए, और वाकई में ये एकदम सही चुनाव है। ये खबर बताते हुए, डिज्नी इंडिया ने अपने सोशल मीडिया पर जूटोपिया 2 का एक प्यारा पोस्टर शेयर किया, जिसमें श्रद्धा और जूडी नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, मैं जूटोपिया परिवार में शामिल होने के लिए बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं, हिंदी में द अमेजिंग जूडी हॉप्स को आवाज दूंगी, वह फाइस्टी, साहसी, एंथु कटलेट और क्यूट तो है ही बचपन से, कल आ रहा है आपके लिए एक अनोखा सरप्राइज, जुड़े रहें!!! 28 नवंबर से जूटोपिया - सिनेमाघरों में श्रद्धा को जूटोपिया की दुनिया में देखना वाकई सबसे बड़ा सरप्राइज है जिसकी हमने उम्मीद भी नहीं की थी। उनकी मीठी और क्यूट आवाज़ के साथ, जूडी और भी प्यारी और उत्साही लगेगी। जूडी की होशियार, बहादुर और जोशीली शख्सियत को देखते हुए, श्रद्धा उसके लिए बिल्कुल सही चॉइस हैं। अब 28 नवंबर को सिनेमाघरों में इसे देखने का उत्साह दोगुना हो गया है।

सू- दोकू क्र.054

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंडं बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 53 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

रोजगार की चाह में पलायन!

हरिशंकर व्यास

जैसे शेष भारत में बिहार की एक अलग पहचान है वैसी ही पहचान दुनिया में भारत की है। पचास वर्षों से बिहार बता रहा है कि लोग वहा से भाग रहे हैं। भय के कारण या अवसर और रोजगार की चाह में पलायन! क्या वैसी ही हकीकत भारत की नहीं है? सोचें, पिछले पंद्रह वर्षों से भारतीयों का पलायन क्यों कर है? अमीर, बड़े लोगों में दुबई, सिंगापुर, अमेरिका आदि जगह जाने के पीछे तरह-तरह के भय हैं। चिंताएं हैं। ढेरों हैं ऐसे आंकड़े जो बताते हैं कि उद्यमी-अमीर भारत छोड़ रहे हैं। हाल में सुनने को मिला कि अंबानियों ने इस बार ब्रिटेन में दिवाली मनाई! खाते-पीते मध्यम-अमीर वर्ग की निगाहों में भारत वह जंगल हो गया है, जहां न सांस साफ है, न वह घूमने लायक है और न शादी या सालगिरह मनाने लायक न निवेश लायक! सोचें, क्या ऐसी बुरी दशा जंगल में होती है?

दीवाली पर अमेरिका में सोशल मीडिया में ये पोस्ट थी कि हिंदुओं ने आकर कनाडा, अमेरिका के जंगल तबाह किए! भारतीय छात्रों के साथ बदसलूकी की खबरें आम हैं। संदेह नहीं कि बिहार की तरह ही शिक्षा के साथ अवसर के जुगाड़ में भारत से जो पलायन हो रहा है वह इस सोच में है कि कैसे भी हो, कोई भी अवसर हो उसे पाना है। कुछ भी करना है। तीस साल पहले भारत से लोग खाड़ी, आसियान देशों में मजदूरी, कारीगरी, कंस्ट्रक्शन जैसे किसी भी तरह के अवसर की तलाश में पलायन कर रहे थे। बाद में आईटीकर्मी के नाते जाने लगे।

मगर तीस-चालीस साल पहले दक्षिण से, केरल से भारतीयों का पलायन कार्य-अवसर विशेष से हुआ करता था। पर मिलेनियम पीढ़ी के बाद से भारत में हर जगह से, किसी भी तरह, दुनिया के किसी भी कोने में पलायन का ट्रेंड है। सामान्य बात नहीं है कि बेसिक आईटी शिक्षा लिए भारतीय लड़के कंपूचिया, म्यांमार, वियतनाम, लाओस आदि में डिजिटल अपराध गैंग की चंगुल में फंसे। मतलब वही मनोविज्ञान काम कर रहा है जो बिहार से बाहर रोजी-रोटी, बेगारी के लिए पलायन का था। तभी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीयों को हथकडी लगाकर लौटाया तो बाकी देशों में भी सभी तरफ भारतीय प्रवासियों पर फोकस हैं। पर भारत निरूत्तर। मोदी सरकार लगातार ट्रंप की रीति-नीति (खासकर छात्रों के अवसर, पेशेवर वीजा आदि में) के आगे पस्त है। वे मई से भारत को बार-बार जलील कर रहे हैं। भारत मजबूरन मौन। सोच सकते हैं इससे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, चीन, यूरोपीय संघ, खाड़ी-अफ्रीकी, आसियान देशों में भारत की इमेज कैसी बन रही होगी? ताजा खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान बैठक, पूर्व एशिया बैठक से वैसे ही किनारा काटा है जैसे संयुक्त राष्ट्र के महाधिवेशन और शर्म अल शेख की गाजा शिखर बैठक से काटा था। ध्यान रहे आज से दक्षिण कोरिया में एपेक, आसियान-पूर्व एशियाई देशों के संगठनों की शिखर कूटनीति है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग व ट्रंप की मुलाकात से लेकर समूचे दक्षिण-पूर्व एशिया, पूर्वी एशियाई देशों में विश्व व्यापार, राजनीति के जो दांवपेंच होंगे उन सबसे भारत के बाहर होने, प्रधानमंत्री मोदी के बाहर रहने का वही अर्थ है जो अरब-खाड़ी देशों के गाजा जमावड़े में शर्म अल शेख में उनकी अनुपस्थिति का था।

मतलब ट्रंप की वजह से अरब-खाड़ी देशों में पाकिस्तान को नए महत्व और आसियान व पूर्व एशिया में ट्रंप-शी जिनफिंग के दबदबे से प्रधानमंत्री मोदी दूर रहे हैं तो वजह घबराहट है। जबकि दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि तौबा कर भारत सरकार अंततः अमेरिका के कहे अनुसार कृषि उत्पादनों में भी खरीदारी करेगी। रूस से तेल आयात घटाएगी। क्यों? इसलिए क्योंकि भारत के पास है क्या जो वह कह सके कि उसे नहीं चाहिए अमेरिका से अवसर। हकीकत है कि प्रधानमंत्री मोदी हों, भारत सरकार हो या भारत के धन्ना सेठ या आम भारतीय सभी मजबूर है अमेरिका में याकि दुनिया में अवसर की ताक में!(ये लेखक के अपने विचार हैं)

चेंबर निर्माण की मांग को लेकर अधिवक्ताओं की हडताल व प्रदर्शन आठवें दिन भी जारी

संवाददाता

देहरादून। चेंबर निर्माण की मांग को लेकर अधिवक्ताओं की हडताल व प्रदर्शन आठवें दिन भी जारी रहा है। आज अधिवक्ता पूरा दिन हडताल पर रहे।

आज यहां चेंबर निर्माण की मांग को लेकर अधिवक्ताओं की हडताल व प्रदर्शन आठवें दिन भी जारी रहा। जबकि गत दिवस जिलाधिकारी सविन बसंल व एसएसपी अजय सिंह अधिवक्ताओं के बीच पहुंचे थे तथा उन्होंने चेंबर निर्माण में सरकार के सहयोग और अन्य मांगों पर एक कमेटी गठित करने के लिए भी कहा गया था। इसके साथ ही अधिकारियों ने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया था कि चेंबर निर्माण के लिए अतिरिक्त भूमि आवंटन को समयबद्ध प्रक्रिया से किया जाएगा। आज अधिवक्ताओं की हडताल पूरे दिन रही इस दौरान स्टाम्प बिक्री, रजिस्ट्री प्रक्रिया आदि पूरी तरह से बंद रहे।

असिस्टेंट प्रो. डॉ. चंद्रपाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रभार ग्रहण किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ चंद्रपाल द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रभार ग्रहण किया गया। वर्तमान में महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाइयां कार्य कर रही हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.राजेश कुमार सिंह का तीन वर्ष का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात डॉ.चंद्रपाल को राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्यक्रम अधिकारी नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अवधेश नारायण सिंह ने नए प्रभारी डॉ.चंद्रपाल को बधाई देते हुए कहा कि इनके कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय योजना सेवा योजना अपने लक्ष्यों को लेकर नई ऊंचाइयों प्राप्त करेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो.हेमलता सैनी,प्रो. रवींद्र कुमार सैनी,डॉ.विकास दुबे, डॉ.अपर्णा सिंह, डॉ.प्रदीप कुमार और पूर्व प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ.राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

चाकू सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली ज्वालापुर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस रेलवे स्टेशन ज्वालापुर के नीचे स्थित सीढ़ियों के पास पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम आयुष उर्फ बिहारी पुत्र नाथीराम, निवासी इन्द्रबस्ती लाल मंदिर, कोतवाली ज्वालापुर, हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन

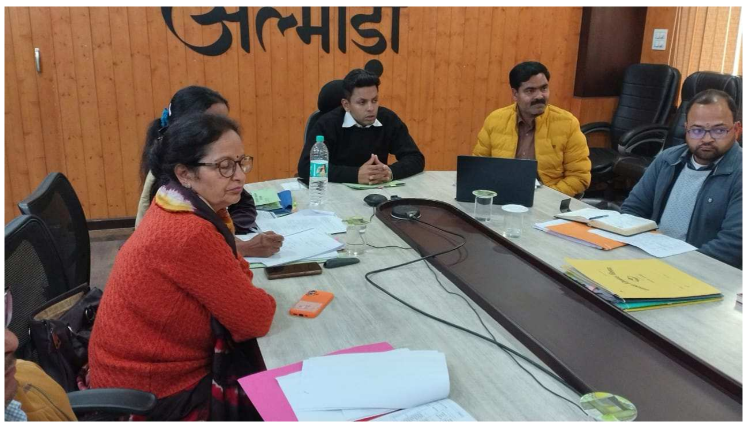

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन तथा जन-जागरूकता से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि गंगा नदी सिर्फ एक जलस्रोत नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और आस्था का केंद्र है। इसके तथा इसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि नदियों में गंदगी, प्लास्टिक या अन्य अपशिष्ट डालने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को और मजबूत करते हुए सीवरेज एवं नालों का उपचार सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधितों को निर्देश दिए कि नगर अल्मोड़ा की सीवरेज निकासी की उचित प्रणाली विकसित करने हेतु कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नदियों में सीधे निकासी वाले नालों पर एसटीपी की स्थापना के लिए सर्वे किया जाए।

जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी सीवेज ट्रीटमेंट पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है जिलाधिकारी ने नगर निगम में समुचित साफ सफाई, कूड़ा उठान तथा कूड़ादानों का उचित प्रबंधन करने के भी निर्देश दिए। उन्होने खुले में कूड़ा फेंकने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कूड़ेदानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं जिससे समुचित निगरानी की जा सके। बैठक में जल संस्थान, नगर निकाय, सिंचाई विभाग, वन विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समयबद्ध कार्रवाई करने और अगली समीक्षा बैठक में प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

6 वर्ष तक बाबा बनकर घूमता रहा बुजुर्ग, मरने के बाद हुई पहचान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 6 वर्ष पूर्व अपने घर से भाग कर बाबा बने बुर्जग की पहचान उसके मरने के बाद ही संभव हुई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उसकी पहचान की है।

जानकारी के अनुसार बीती 15 नवम्बर को चौकी इकबालपुर पुलिस को सूचना मिली कि देसी शराब के ठेके के पास एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस टीम द्वारा शव की जाँच की गई, जहाँ मृतक के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद नहीं हुए। मौके पर मौजूद आमजन द्वारा बताया गया कि यह व्यक्ति वहीं आसपास रहता था तथा यहीं मांगकर जीवन यापन करता था। जिस पर पुलिस ने अज्ञात शव का पंचायतनामा भरकर शव को पहचान हेतु उपजिला चिकित्सालय रूड़की की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया। शव की पहचान के लिए फोटो व वीडियोग्राफी कर डीसीआरबी को रिपोर्ट/पम्पलेट प्रेषित किया गया तथा सोशल मीडिया पर भी अज्ञात पुरुष शव की फोटो साझा की गई।

इसी क्रम में थाना मंसूरपुर (जनपद मुजफ्फरनगर) के ग्रुप में फोटो देखकर सोमा पत्नी राजकुमार निवासी बलीपुरा थाना मीरापुर, जनपद मुजफ्फरनगर (बहन) एवं श्याम कुमार पुत्र जयप्रकाश निवासी शुक्रताल, थाना भोप्पा, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा अज्ञात शव की पहचान की गई। सोमा द्वारा मृतक की पहचान अपने भाई ओमपाल पुत्र कृष्णा निवासी लसेड़ा, थाना मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर के रूप में की गई। परिजनों ने बताया कि मृतक ओमपाल लगभग 6 वर्ष पूर्व घर से निकल कर बाबा बनकर अलग रहने लगा था। शव की पहचान किए जाने पर मृतक के परिजनों द्वारा पुलिस की सहयोगात्मक कार्यों की सराहना की गई है।

आईएसबीटी के निकट निर्मित नाले का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। लक्ष्मेश्वर वार्ड के अंतर्गत आईएसबीटी के निकट नाले पर लोगों की सुरक्षा के दृष्टिगत रास्ता बनाया जाएगा।

यह बात आज जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने नाले के निरीक्षण के दौरान कही। जिलाधिकारी अंशुल सिंह आज नगर निगम अल्मोड़ा के लक्ष्मेश्वर वार्ड में आईएसबीटी के निकट निर्मित नाले का निरीक्षण करने पहुंचे। स्थानीय लोगों की शिकायत पर आज जिलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे।

उन्होंने सिंचाई विभाग समेत संबंधित अधिकारियों से नाले के निर्माण, इसके प्राविधान तथा विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर कहा कि जनता की सभी जायज मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने मौके पर ही उपस्थित सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि जहां जहां तक नाले का प्राविधान है, वहां पर नाले का कार्य किया जाए तथा नाले के ऊपर आने जाने के लिए सीढ़ियों वाला रास्ता बनाया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि रास्ता बनाने के साथ साथ आमजन की सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग भी बनाई जाए, जिससे लोगों को और अधिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने इस कार्य को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही उपजिलाधिकारी को भी निर्देश दिए कि नाले पर बनने वाले रास्ते के कार्यों का अनुवेक्षण करें तथा रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रस्तुत करें। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि नालों की सफाई नियमित रूप से की जाए जिससे लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी कार्य प्रारंभ करने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जनता को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जनहित सर्वोपरि है, इसलिए जनहित को ध्यान में रखते हुए ही सभी कार्यों को किया जाए। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, अधिशाषी अभियंता सिंचाई मोहन सिंह रावत समेत, जनप्रतिनिधि, स्थानीय लोग एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे को मजबूती से 'न' कहें युवा: सीएम

संवाददाता

देहरादून। नशामुक्त भारत अभियान की पांचवीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि युवा नशे को मजबूती से न कहें और अपने साथियों को भी नशे को न कहने के लिए प्रेरित करें।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में युवाओं से अपील की है कि वो स्वयं भी नशे को पूरी मजबूती के साथ 'न' कहें, साथ ही अपने साथियों को भी नशे के लिए "न" कहने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित नशामुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने की बधाई देते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाने वाले कर्मवीरों के सहयोग से आज समाज नशे की भयावह समस्या से मुकाबला करने में सक्षम हो रहा है। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक बुरी आदत नहीं, बल्कि समाज को भीतर से खोखला करने वाली एक भयावह चुनौती है। ये घातक प्रवृत्ति व्यक्ति की चेतना, विवेक और निर्णय लेने की क्षमता को नष्ट कर उसके पूरे भविष्य को विनाश की ओर ले जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नशे का प्रसार वैश्विक स्तर पर एक 'साइलेंट वॉर' की तरह हो रहा है, जिसका सबसे बड़ा निशाना हमारी युवा शक्ति है। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी ही नए भारत की ऊर्जा, नवाचार, सामर्थ्य और प्रगति का वास्तविक आधार है। यदि यही ऊर्जा किसी नकारात्मक प्रभाव में फँस जाएगी, तो राष्ट्र के विकास की गति भी अवरुद्ध हो जाएगी। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत कर पूरे देश से इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया और इसे एक व्यापक जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की गौरवशाली पहचान "ऐपण कला" को भी इस अभियान से जोड़ा गया है, आज नशा-विरोधी संदेशों से सुसज्जित 'ऐपण' पेंटिंग्स हमारे शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों की शोभा बढ़ा रही हैं। साथ ही युवाओं को नशे से दूर रखने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए राज्य में 'दगड़िया क्लब' भी बनाए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेश के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं भी नशे को पूरी मजबूती के साथ 'न' कहें और अपने साथियों को भी नशे के लिए "न" कहने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए अपने विकल्प रहित संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। परन्तु ये संकल्प तभी सिद्ध हो सकता है, जब हमारी युवा पीढ़ी अपनी पूरी ऊर्जा, क्षमता और दृढ़ संकल्प के साथ हमारा सहयोग करे और नशे जैसी बुराइयों से स्वयं भी दूर रहे तथा दूसरों को भी दूर रखने का संकल्प ले। मुख्यमंत्री धामी ने उपस्थित युवाओं को नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ भी दिलाई, साथ ही स्कूल कॉलेजों में राज्य स्तर पर आयोजित भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक श्रीमती सविता कपूर, उत्तराखंड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष संजय नेगी, सचिव समाज कल्याण डॉ श्रीधर बाबू अद्यांकी, अपर पुलिस महानिदेशक डॉ वी मुरुगेशन, निदेशक समाज कल्याण डॉ संदीप तिवारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

आदमखोर गुलदार को मारने के लिए शूटर तैनात

हमारे संवाददाता

पौड़ी। आदमखोर गुलदार को मारने के दिशा निर्देश के बाद वन विभाग द्वारा क्षेत्र में शूटर तैनात कर दिये गये है। जो रात दिन आदमखोर गुलदार की तलाश में जुट चुके है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने क्षेत्र में गुलदार के हमले की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी और डीएफओ को अनुमति लेकर गुलदार को मारने के लिए शूटर तैनात करने के निर्देश दिए थे। जिस पर कार्यवाही करते हुए वन विभाग ने पिंजरे लगाने के साथ अब शूटर भी तैनात कर दिये है। बता दें कि चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को गुलदार के हमले में विकासखंड पोखड़ा के बगड़ीगाड निवासी रानी देवी और उसके अगले ही दिन ग्राम घंडियाल की प्रभा देवी के घायल हो गई थीं। घटना की सूचना पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने जिलाधिकारी पौड़ी और डीएफओ को निर्देश दिए थे कि आदमखोर गुलदार को मारने की अनुमति लेकर शूटर तैनात किया जाए। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से कहा है कि जंगली जानवरों के हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, इसलिए विभाग तत्काल जंगली जानवरों से लोगों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। उन्होंने गुलदार के हमले में प्रभावित परिवारों को तत्काल मुआवजा देने के भी निर्देश दिए है।

प्रिंट मीडिया विज्ञापन दरों में 26 प्रतिशत की वृद्धि!

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार ने आज प्रिंट मीडिया के लिए सरकारी विज्ञापनों की बेसिक दरों में 26 प्रतिशत वृद्धि किए जाने की आधिकारिक घोषणा की है। यह संशोधित दरें तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। मंत्रालय द्वारा जारी वक्तव्य में बताया गया है कि यह बढ़ोतरी विशेष रूप से काले-सफेद विज्ञापनों की मूल दरों पर लागू होगी। एक लाख तक प्रसार संख्या वाले प्रकाशनों के लिए संशोधित दर घ59.68 प्रति वर्ग सेंटीमीटर निर्धारित की गई है, जो पहले घ47.40 प्रति वर्ग सेंटीमीटर थी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय रेट स्ट्रक्चर कमिटी की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है, जिसका उद्देश्य देशभर के प्रिंट मीडिया संस्थानोंख्रविशेषकर क्षेत्रीय, छोटे और मध्यम अखबारोंख्रको आर्थिक सहायता एवं स्थिरता प्रदान करना है। सरकार ने यह भी बताया कि रंगीन विज्ञापनों तथा प्रमुख स्थान पर प्रकाशित विज्ञापनों के लिए अतिरिक्त प्रीमियम दरें लागू रहेंगी, जिससे प्रकाशकों के राजस्व में वृद्धि होने की संभावना है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, डिजिटल मीडिया के विस्तार और प्रिंट उद्योग की संचालन लागत में लगातार बढ़ोतरी के चलते पारंपरिक मीडिया चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में यह वृद्धि मीडिया संगठनों की आर्थिक मजबूती तथा गुणवत्तापूर्ण पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने उल्लेख किया कि 2019 के बाद पहली बार विज्ञापन दरों में इस स्तर की बढ़ोतरी की गई है, जिससे प्रिंट मीडिया क्षेत्र को महत्वपूर्ण राहत मिलने की उम्मीद है।

द्वितीय केदार श्री मद्महेश्वर मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए हुए बंद

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। द्वितीय केदार श्री मद्महेश्वर के कपाट आज सुबह 8 बजे शीतकाल हेतु मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्दशी स्वाति नक्षत्र के शुभ मुहुर्त में बंद हो गये है। इस अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु तथा बीकेटीसी कर्मचारी अधिकारी, वनविभाग एवं प्रशासन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आज सुबह कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर खुला जिसके उपरांत श्रद्धालुओं ने दर्शन किये और पूजा-अर्चना के बाद सात बजे से कपाट बंद ही प्रक्रिया शुरू हो गयी। इसके पश्चात पुजारी शिवलिंग ने बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल, बीकेटीसी सदस्य प्रहलाद पुष्पवान एवं पंच गौंडारी हकहकूकारियों की उपस्थिति में श्री मदमहेश्वर के स्वयंभू शिवलिंग को समाधि रूप दिया। इसके बाद प्रातः आठ सात बजे मंदिर के कपाट श्री मदमहेश्वर के जय घोष के साथ शीत काल हेतु बंद हो गये।

कपाट बंद होने के बाद श्री मदमहेश्वर की चल विग्रह डोली ने अपने भंडार का निरीक्षण तथा मंदिर की परिक्रमा पश्चात ढ़ोल- दमाऊं के साथ प्रथम पड़ाव गौंडार हेतु प्रस्थान किया। श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने अपने संदेश में द्वितीय केदार श्री मदमहेश्वर मंदिर के कपाट बंद होने के अवसर पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। कपाट बंद होने के अवसर पर बीकेटीसी सदस्य प्रहलाद पुष्पवान,बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल, प्रभारी अधिकारी यदुवीर पुष्पवान,पंच गौंडारी हकहकूकधारी पूर्व प्रधान वीरसिंह पंवार, सरपंच फतेह सिंह, शिवानन्द पंवार,दीपक पंवार सहित कई लोग मौजूद रहे।

छह साल बाद एयर इंडिया की चीन में वापसी!

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीधी हवाई यात्रा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, एयर इंडिया ने घोषणा की है कि वह 1 फरवरी 2026 से दिल्ली और शंघाई के बीच अपनी सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेगी। एयरलाइन के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह लगभग छह साल बाद एयर इंडिया की चीन में वापसी है। एयर इंडिया ने मुंबई से शंघाई के लिए भी सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की इच्छा जताई है। कंपनी ने कहा है कि आवश्यक नियामक मंजूरियों के अधीन वह 2026 में मुंबई और शंघाई के बीच भी सीधी उड़ानें शुरू करना चाहती है। शंघाई

दिल्ली-शंघाई हवाई यात्रा के लिए टिकट बुकिंग शुरू

एयर इंडिया समूह के लिए 48वां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य होगा। यह समूह भारत में किसी भी अन्य एयरलाइन की तुलना में अधिक अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को ले जाता है।

एयर इंडिया दिल्ली और शंघाई के बीच सप्ताह में चार बार उड़ानें संचालित करेगी। इन उड़ानों के लिए कंपनी अपने दो गलियारे वाले बोइंग 787-8 विमान का उपयोग करेगी, जिसमें बिजनेस क्लास में 18 फ्लैट बेड और इकोनॉमी क्लास में 238 आरामदायक सीटें होंगी।

शंघाई के लिए एयर इंडिया की सेवाओं की बहाली उन हालिया भारत-चीन राजनयिक समझौतों के बाद हुई है, जिन्होंने 2020 की शुरुआत में निलंबित हुए हवाई संपर्कों को फिर से स्थापित किया था। एयर इंडिया ने अक्टूबर 2000 में चीन के लिए अपनी सीधी सेवाएं पहली बार शुरू की थीं। एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा, हमारी दिल्ली-शंघाई सेवाओं की बहाली सिर्फ एक मार्ग शुरू करने से कहीं अधिक है। यह दो महान, प्राचीन सभ्यताओं और आधुनिक आर्थिक महाशक्तियों के बीच एक सेतु है। एयर इंडिया में, हम दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण हवाई गलियारों में से एक को फिर से जोड़ने में प्रसन्न हैं, जिससे यात्रियों को एयर इंडिया की पहचान, भारतीय आतिथ्य के साथ व्यापार, व्यापार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और संस्कृति में अवसरों का पीछा करने में सुविधा मिलेगी। बहाल किए गए हवाई संपर्क से फार्मास्यूटिकल्स, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में आदान-प्रदान को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।